

यीशु क्यों मरो किया?



1. क्योंकि हम सब पापी हैं!

निशान 2:17 यीशु ने यह सुनकर, उन से कहा, भले चंगोंको वैद्य की आवश्यकता नहीं, परन्तु बीमारोंको है: मैं धर्मियोंको नहीं, परन्तु पापियोंको बुलाने आया हूं।

रोम 3:10 जैसा लिखा है, कि कोई धर्मी नहीं, एक भी नहीं।

मैथ्यू 18:11 देखो, तुम इन छोटोंमें से किसी को तुच्छ न जानना; क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि स्वर्ग में उन के दूत मेरे स्वर्गीय पिता का मुंह सदा देखते हैं।

2. क्योंकि वहाँ पाप के लिए एक मूल्य है!

मैथ्यू 15:18-20 पर जो कुछ मुंह से निकलता है, वह मन से निकलता है, और वही मनुष्य को अशुद्ध करता है। क्योंकि कुचिन्ता, हत्या, परस्त्रीगमन, व्यभिचार, चोरी, फूठी गवाही और निन्दा मन ही से निकलती है। यही हैं जो मनुष्य को अशुद्ध करती हैं, परन्तु हाथ बिना धोए भोजन करना मनुष्य को अशुद्ध नहीं करता।।

रोम 6:23a क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का बरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवन है।।

निशान 16:16b जो विश्वास करे और बपतिस्का ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास ने करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।



वहाँ पाप के लिए एक मूल्य है!

3. क्योंकि यीशु मर गया, और क्रूस पर हमारे पापों के लिए भुगतान किया!

मैथ्यू 1:21 वह पुत्र जनेगी और तू उसका नाम यीशु रखना; क्योंकि वह आपके लोगोंका उन के पापोंसे उद्धार करेगा।

रोम5:8 परन्तु परमेश्वर हम पर आपके प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिथे मरा।

मैं जॉन 3:16 क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

मैथ्यू 18:11 देखो, तुम इन छोटोंमें से किसी को तुच्छ न जानना; क्योंकि मैं तुम से कहता हूं, कि स्वर्ग में उन के दूत मेरे स्वर्गीय पिता का मुंह सदा देखते हैं।

4. मोक्ष अच्छा काम करता है एक मुक्त, नहीं उपहार है. आप इसके लिए भगवान के शब्द है, और विश्वास यीशु अकेला लेना चाहिए!

अधिनियमों 4:12 और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्योंमें और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिस के द्वारा हम उद्धार पा सकें।।

इफिसियों. 2:8-9 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, बरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मोंके कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

टाइटस 3:5 तो उस ने हमारा उद्धार किया: और यह धर्म के कामोंके कारण नहीं, जो हम ने आप किए, पर अपक्की दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

5. हम अपने और मसीह में विश्वास पर विश्वास अकेले रखा होगा!

निशान 9:23 यीशु ने उस से कहा; यदि तू कर सकता है; यह क्या बता है विश्वास करनेवाले के लिथे सब कुछ हो सकता है।

निशान 1:15 और कहा, समय पूरा हुआ है, और परमेश्वर का राज्य निकट आ गया है; मन फिराओ और सुसमाचार पर विश्वास करो।।

निशान 10:15 मैं तुम से सच कहता हूं, कि जो कोई परमेश्वर के राज्य को बालक की नाई ग्रहण न करे, वह उस में कभी प्रवेश करने न पाएगा।

रोम 10:9-10,13 कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुएों में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि धार्मिकता के लिथे मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिथे मुंह से अंगीकार किया जाता है। क्योंकि जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।



मसीह में अपना विश्वास अकेले रखो!

हाँ, यह उतना आसान है! आप परमेश्वर से क्षमा अर्जित नहीं कर सकते। आप परमेश्वर के द्वारा दी गई क्षमा का भुगतान नहीं कर सकते।

आप उसे केवल प्राप्त कर सकते हैं, विश्वास के द्वारा, परमेश्वर के अनुग्रह तथा दया के द्वारा। अगर आप यीशु मसीह को अपने मुक्तिदाता के रूप में ग्रहण करना चाहते हैं तथा परमेश्वर से क्षमा प्राप्त करना चाहते हैं, तो यहाँ पर एक प्रार्थना है जो आप कर सकते हैं। इस प्रार्थना को या किसी अन्य प्रार्थना को करने से आपको मुक्ति नहीं मिल सकती। केवल यीशु मसीह पर विश्वास करना ही पापों की क्षमा उपलब्ध कराता है। यह प्रार्थना केवल परमेश्वर में आपका विश्वास व्यक्त करने का तथा आपके लिए क्षमा उपलब्ध कराने का तरीका है।

'परमेश्वर,

मैं जानता हूँ कि मैंने आप के विरुद्ध पाप किया है तथा मैं दंडित होने का उत्तराधिकारी हूँ। परन्तु यीशु मसीह ने वो दण्ड पाया जिसके योग्य मैं था, जिससे की उसमें विश्वास करके मैं क्षमा किया जा सकूँ। मैं अपने पापों से मुँह मोड़ता हूँ तथा मुक्ति के लिए आपमें अपना विश्वास रखता हूँ। आपके आश्चर्यजनक अनुग्रह तथा क्षमा के लिये धन्यवाद! अस्तु!"